सफलता की कहानी

# खेतीहर मजदूरी करने को मजबूर बेताकोचा, पूर्वी सिंहभूम के धन सिंह ने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने जीवन को दिया नई दिशा

निर्धनता किसी व्यक्ति/परिवार के लिए एक अभिशाप के समान होती है। निर्धनता की काली छाया व्यक्ति के जीवन को अंधकारमय बना देता है। लेकिन होनहार व्यक्ति गरीबी के अंधेरे का मुकाबला कर अपने जीवन को खुशहाली के प्रकाश से जगमग कर सकता है। ऐसी ही एक कहानी है अपने जीवन का नया मार्ग प्रशस्त करने वाले युवक धन सिंह की।

बेताकोचा गांव, पूर्वी सिंहभूम के रहने वाले धन सिंह के सिर से पिता का साया बचपन में ही उठ चुका था। पिता की मृत्यु के बाद घर को चलाने की जिम्मेवारी उनके बड़े भाई के कंधों पर आ गई थी जो स्वयं दिहाड़ी मजदूरी करते थे। छोटी कमाई के बावजूद बड़े भाई ने छोटे भाई धन सिंह की पढ़ाई लिखाई में रूचि को देखते हुए हमेशा उसका साथ दिया। मेहनत की छोटी रकम से बचत कर उन्होंने धन सिंह की बी0कॉम तक की पढ़ाई जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज से पूरी कराई। पढ़ाई पूरी करने के बाद धन सिंह की जिंदगी अत्यधिक चुनौतिपूर्ण हो गई। क्योंकि बढ़ती महंगाई और अकेले की कमाई के कारण धन सिंह के बड़े भाई पूरे परिवार को चलाने में असमर्थ साबित हो रहे थे। इसी बीच धन सिंह को कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण के विषय में जानकारी प्राप्त हुई। एक दिन झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी के दीनदयाल उपाध्ययाय कौशल केन्द्र संचालित करने वाले प्रशिक्षण सेवा प्रदाता संस्था Amigos Solutions, मानगो के उत्प्रेरकों ने उसके गांव के पास एक मोबिलाईजेशन कैम्प लगाया। धन ने इस कैम्प में जाकर पूरी जानकारी प्राप्त की। उत्प्रेरकों द्वारा रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण की जानकारी से प्रेरित होकर धन सिंह ने दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र में रहकर तीन माह का आवासीय "मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव" ट्रेड का प्रशिक्षण पूर्ण किया। प्रशिक्षण पूर्ण होते ही केन्द्र में ही आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट कार्यक्रम में धन सिंह का चयन जानेमाने प्रतिष्ठित Gal Care के फार्मा प्राइवेट लिमिटेड में मेडिकल सेल्स रिप्रजेंटेटिव के पद पर 15,000/– (पंद्रह हजार रूपये) के मासिक वेतनमान पर हो गया। धन सिंह विगत दिसम्बर 2018 से इस कंपनी में अपनी सेवा दे रहे है। पिछले एक वर्ष में धन सिंह के परिवार का आर्थिक परिदृश्य पूर्णतः बदल चुका है। अब धन सिंह अपने परिवार के साथ ही बड़े भाई के बच्चों के भरण–पोषण एवं शिक्षा दीक्षा में भी मदद कर रहें हैं।

इस तरह धन सिंह ने अपनी मेहनत और सूझ–बूझ से अपनी कौशल क्षमताा में निखार लाकर अपने बड़े भाई के मेहनत को भी सम्मान दिलाने में सफल रहे। झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की ओर से धन सिंह को उनके उज्जव भविष्य की अन्नत शुभकामनाएँ।

**********